अग्रोहाधाम,रायगढ़ के उद्घाटन समारोह में माननीय अध्यक्ष का भाषण

मुख्यमंत्री छतीसगढ़,श्री विष्णु देव साय जी

कार्यक्रम के संयोजक,राकेश अग्रवाल जी

एवं यहाँ इस अग्रोहा धाम में उपस्थित आप सभी भाइयों-बहनों को मेरा प्रणाम !

जय श्री राम !

छत्तीसगढ़ के पूर्वी अञ्चल की सांस्कृतिक राजधानी,औद्योगिक और हस्तकला के मामले में एक समृद्ध नगर रायगढ़, जहां का रायगढ़ घराना, कत्थक और शास्त्रीय संगीत में अपने योगदान के लिए जाना जाता है। ऐसी पुण्य भूमि पर आकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।

यह छत्तीसगढ़ की भूमि वह पवित्र भूमि है, जहां भगवान श्री राम ने अपने वनवास के अधिकतम वर्ष गुजारे थे। इसके अलावा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की माता कौशल्या छत्तीसगढ़ की राजकुमारी थी। छत्तीसगढ़ और भगवान राम जी का संबंध भी बहुत पुराना है।

मैं इस पवित्र भूमि से श्री अग्रसेन महाराज को कोटि कोटि नमन करता हूँ। मैं समाज के उन भामाशाहों के योगदान को भी नमन करता हूँ, जिनके अथक प्रयासों से यह अग्रोहा धाम का यह भागीरथ कार्य सम्पन्न हो पाया हैं। मैं मानता हूँ कि इसके पीछे भी श्री अग्रसेन महाराज जैसे अनेकानेक पूर्वजों का आशीर्वाद ओर उनकी सतत प्रेरणा ही हैं।

परमार्थ की भावना से ओत प्रोत यह अग्रोहा धाम लगभग 6 एकड़ में फैला हैं। यह अग्रवाल समाज के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह एक ऐसा स्थान है जहां पर सर्व समाज के लोग अपने भव्य शादी-विवाह के स्वर्णिम सपने को कम लागत में पूरा कर सकते हैं।

यह सेवा प्रकल्प अग्र समाज में परस्पर सामाजिक सद्भाव और सौहार्द को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

महाराज श्री अग्रसेन का जीवन चरित्र भारत के प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा देने में समर्थ है। हमारी हर पीढ़ी को महाराज अग्रसेन के जीवन चरित्र को समझना होगा। वे एक महान दानवीर, राष्ट्रभक्त और सच्चे समाजवाद के प्रणेता थे।

ऐसे महापुरूष जिस समाज के पूर्वज और पथ प्रदर्शक हों, निश्चित ही वह समाज भी अपने पूर्वजों के मार्ग पर चलते हुए मानवता को उच्च शिखर तक ले जाने में समर्थ हो सकता है।

अपने पूर्वजों के पदचिह्नों पर चलते हुए एक महान प्रेरणादायी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए अग्रवाल समाज लोगों की भलाई के लिए निरंतर प्रयत्न कर रहा है।

महाराजा अग्रसेन जी के मानवतावादी सन्देश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यहाँ बैठा प्रत्येक जन निरंतर प्रयत्न कर रहा है।

"अग्रवाल समुदाय "पिछले 5100 सालों से भारत के सबसे सम्मानित उद्यमी समुदायों में से एक रहा है। अग्रवाल समाज के लोग भगवान अग्रसेन के वंशज है और उनके द्वारा स्थापित "अग्रोहा "राज्य के मूल निवासी हैं। इसलिए अग्रवाल केवल एक समुदाय ही नहीं है, अपितु एक परिवार हैं।

महाराजा श्री अग्रसेन ने समाज सेवा का जो संदेश दिया, उस पर चलकर अग्रवाल समाज के लोग देश में अनेक अग्रवाल धर्मशालाएं, हॉस्पिटल, सेवा केंद्र चला रहे हैं, पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक योजनाओं और गतिविधियों का संचालन कर रहे है,

यह समाज बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए अनेक पुरस्कार और सम्मान प्रदान करने के साथ ही सामाजिक कुरीतियों, भेदभावों और बुराईयों के उन्मूलन के लिए कार्य कर रहे हैं। यह वास्तव में यह सम्पूर्ण देश के लिए प्रेरणादायक हैं।

मैं अक्सर कई कार्यक्रमों में जाता हूँ, जहां विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत करने का अवसर मिलता हैं, जिन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में कुछ उल्लेखनीय कार्य किया हो। और मै देखता हूँ कि अग्रवाल समाज के बंधु-भगिनियों की संख्या वहाँ भी अधिक रहती हैं। इसका एक ही कारण हैं कि अग्रवाल समाज के लोगों में सेवा ओर कल्याण की भावना सदैव हृदय में रहती हैं। यह उनके संस्कारों में ही रची-बसी हैं।

जहां कहीं भी दान की चर्चा होती हैं वहाँ भामाशाह का नाम स्वयं ही याद आ जाता है। दानवीर भामाशाह का जन्म अलवर, राजस्थान में 1547में हुआ था। उनके पिता श्री भारमल्ल राणा साँगा के समय रणथम्भौर के किलेदार थे।

भामाशाह ने अपने पास स्वयं का तथा पुरखों का कमाया हुआ जो धन था ,वह सब महाराणा प्रताप को सौंप दिया। उन्होंने कहा कि मैंने तो अपना कर्त्तव्य निभाया है।

यह सब धन मैंने देश से ही कमाया है। यदि यह देश की रक्षा में लग जाये, तो यह मेरा और मेरे परिवार का अहोभाग्य ही होगा।

तन समर्पित ,धन समर्पित और यह जीवन समर्पित ,चाहता हूँ मातृभूमि ,तुझको अभी कुछ और भी दूँ ,इस भावना के साथ अग्रवाल समाज का प्रत्येक जन कार्य करता हैं।

अग्रवाल समाज हमेशा व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे समाज के हित व कल्याण की बात सोचता है। आपको यह प्रेरणा महाराज अग्रसेन के सिद्धान्तों से मिली है, जिन्होंने हमेशा समाज को जोड़ने का काम किया तथा वे पूरी मानवता के प्रवर्तक थे। आज अग्रवाल समाज का योगदान देश की जीडीपी में 20 प्रतिशत से अधिक है।

देश हमें देता है सब कुछ ,हम भी तो कुछ देना सीखें !यह पंक्तियाँ अग्रवाल समाज के जीवन चरित्र को चरितार्थ करती हैं।

अग्रवाल समाज ने देश की आजादी की लड़ाई से लेकर देश हित के प्रत्येक काम में बढ़-चढ़कर योगदान दिया है जो वास्तव में काबिले तारीफ है।

आजादी के बाद हिंदुस्तान के सामने नई चुनौती थी ...देश को वापस खड़ा करने की ,उसे पुनः विकसित बनाने की। बुद्धि और प्रतिभा का धनी अग्रवाल समाज का जन जन मोर्चा संभालने के लिए आगे निकलता नजर

आया। अग्रवाल समाज के लोगों ने स्वाभाविक रुप से, अपनी-अपनी तरह से, देश के विकास में योगदान दिया। वहीं वे व्यापार में निरंतर उन्नति करते गए।

अग्रवाल समाज ने देश को घनश्यामदास बिरला, गुज्जरमल मोदी, जमनालाल बजाज, कमलापंत सिंघानिया ,दुगार्प्रसाद मांडिल्य जैसे उद्योगपति दिए। विक्रम साराभाई, डीसी कोठारी, डॉ. आत्माराम जैसे वैज्ञानिक दिए। मौजूदा दौर में भी अग्रवाल समाज के लोग पूरी दुनिया में अपना परचम लहरा रहे है।

हमारा समाज दीन-दु:खियो एवं अभावग्रस्त लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है।

ये बड़े गर्व से कहा जा सकता है कि देश और विदेश में विद्यालय, अस्पताल, धर्मशालाएं, अग्रवाल समाज की देन है। अपनी व्यावहारिकता से अग्रवाल समाज ने दुनिया को जीने का तरीका और कमाने का तरीका सिखाया है।

देश भर में जगह जगह आपको अग्रवाल समाज के किले और महल शायद ही मिले, लेकिन अग्रवाल समाज की धर्मशालाएं, बावड़ी, स्कूल और सेवा भवन मिल जाएंगे।

भारत के आज़ादी आंदोलन से लेकर भारत की विकास यात्रा में अग्रवाल समाज का प्रमुख योगदान रहा है। बड़े-बड़े स्वतंत्रता सेनानी इस समाज से हुए हैं। दानवीर भामाशाह से लेकर जमनालाल बजाज जी और लाला लाजपत जी जैसे महान व्यक्तित्वों ने देश और समाज के लिए युगांतरकारी भूमिका निभाई है।

हमारे देश को आर्थिक-सामाजिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सहयोग, समर्पण, सामूहिकता और सरोकार अग्रवाल समाज की विशेषता है।

अग्रवाल समाज महादानी भामाशाह जी का समाज है। जब भी देश या समाज पर संकट आया है, अग्रवाल समाज के लोगों ने अपने समर्पण भाव से हर तरह के संकट को छोटा साबित कर दिया है। ये हमने कोरोना महामारी के समय में भी देखा है। जब भी कोई आपदा आती है, समाज के लोग एकजुटता के साथ उसका मुकाबला करते हैं।

देश के औद्योगिक विकास में, अर्थव्यवस्था और व्यापार के क्षेत्र में अग्रवाल समाज का अतुलनीय योगदान रहा है। ऐसे अनगिनत नाम है जिन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार दी है। अपने परिश्रम, प्रतिबद्धता और कौशल के बल पर वैश्य समाज ने भारत को आत्मनिर्भरता व उन्नति की तरफ आगे बढ़ाया है।

आज देश के कई हिस्सों में ऐसे अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र हैं, जो अग्रवाल समाज ने बनाए हैं और उन अस्पतालों में आमजन का किफायती दर पर उत्तम इलाज हो रहा है।

अध्यात्म और लोक कल्याण के लिए अग्रवाल समाज के अनेक कार्य हैं। मैं आपको बस एक उदाहरण देता हूँ।

समाज की श्रद्धा और लोक कल्याण के कार्यों के कारण आज राजस्थान के सीकर का खंडेला धाम पूरे देश में प्रसिद्ध है। समाज ने आपसी सहयोग से ही खंडेला में अनेक मंदिर बनवाए हैं, जहाँ देश और देश से बाहर के लोग दर्शन करने के लिए आते हैं।

सदियों से उद्योग-व्यापार-व्यवसाय के लिए जाने जाने वाला अग्रवाल समाज आज शिक्षा के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कर रहा है। हम अपने बच्चों को, आने वाली पीढ़ियों को अच्छी शिक्षा दे रहे हैं। हमने शिक्षा के महत्व को समझा है और इसके लिए गंभीरता से काम कर रहे हैं।

समाज के युवाओं ने भी, आज की पीढ़ी ने भी हमें गौरव के कई क्षण दिए हैं। आज जेईई, मेडिकल एन्ट्रेन्स, सीए, सीएस, आईएएस जैसी परीक्षाओं में अग्रवाल समाज के होनहार शानदार परिणाम दे रहे हैं।

समाज के युवा शिक्षा, चिकित्सा, खेल, व्यापार, विज्ञान, तकनीक, स्टार्ट-अप सहित जीवन के विविध क्षेत्रों में प्रगति कर रहे हैं, लगातार आगे बढ़ रहे हैं। देश का नाम पूरे विश्व में रोशन कर रहें हैं।

अग्रवाल समाज हमेशा से महाराजा अग्रसेन के 'एक ईंट और एक रुपया' के सिद्धांत पर चलता रहा है।समाज ने मंदिर बनवाए तो अनेक धर्मशालाएं, बावड़ियाँ, पानी के प्याऊ भी बनवाए हैं। सामुदायिक भवन, विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल और आपसी सहयोग के सार्थक कार्यों के लिए समाज हमेशा ही तत्पर रहा है।

तीन तरह की पूंजी होती है – आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक। अग्रवाल समाज ने अपने परिश्रम से इन तीनों पूंजियों को प्राप्त किया है। समाज ने आर्थिक रूप से अपने आप को सशक्त किया है, अपने संस्कार, अपनी पहचान को स्थापित किया है और सामाजिक रूप से भी अपने आपको मजबूत बनाया है।

छतीसगढ़ का यह अग्रोहा धाम निश्चित रूप से समाज, राज्य और देश के विकसित बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएगा और सामूहिक सेवा और सामाजिक सौहार्द के अपने उद्देश्य को पूर्ण करेगा।

इस अग्रोहा धाम के निर्माण में सहयोग के पुनीत कार्य के लिए मैं अग्र समाज सहित समस्त एजेंसियों और यहाँ के नागरिकों का बहुत बहुत अभिनंदन करता हूँ।

धन्यवाद ,जय हिन्द ,जय भारत ,जय छतीसगढ़।